पु॰ना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class –VII

HINDI

Specimen Copy

Year- 2020-21

July - August Month

पाठ 6-रक्त और हमारा शरीर

लेखक - यतीश अग्रवाल

1 एनीमिया - खून की कमी से होने वाला रोग

2 स्लाइड -काँच की पतली छोटी पटिटका

3 जिज्ञासा-जानने की इच्छा

4 भानुमती का पिटारा- जिसमें अनेक वस्तुएँ रखी गई हो

5 पौष्टिक -ताकतवर

6 दूषित- गंदा

7 धावा बोलना- हमला करना

8 वर्ग- समूह

9 अवतल- किनारे से मोटी बीच से पतली

10 संक्षेप में-छोटे रूप में

11 प्लाजमा- शरीर में रक्त का तरल भाग

12 निराधार- बिना आधार के

अति लघू प्रश्न

1 दिव्या को डॉक्टर के पास क्योंले जाना पड़ा?

उत्तरः क्योंकि कुछ दिनों से उसे हर समय थकान लगी रहती थी और उसका मन काम में नहीं लग रहा था।

2 डॉक्टर ने दिव्या की रिपोर्ट के बारे में अनिल को क्या बताया?

उत्तरः डॉक्टर दीदी ने दिव्या की रिपोर्ट देखकर बताया कि दिव्या को एनीमिया है।वह कुछ दिन दवा लेगी तो ठीक हो जाएगी।

3 लाल रक्त कण किस आकार के होते है?

उत्तरः लाल रक्त कण जैसे बालूशाहियाँ रख दी हो। ये गोल, दोनों ओर उभारे तथा बीच में दबे होते हैं।

4 भोजन से पूर्व हाथ क्यों धोने चाहिए?

उत्तरः भोजन से पूर्व हाथ इसलिए धोने चाहिएए, ताकि हमारे हाथों में जो जीवाणु लगे है वे भोजन के साथ शरीर में न जा पाएँ।

लघु प्रश्न

रक्त के बहाव को रोकने के लए क्या करना चाहिए?:

जब शरीर के कसी हिस्से पर घाव बन जाए और रक्त बहने लगे तो सर्व प्रथम उस स्थान पर सा फ़ कपड़े को कसकर बाँध देना चाहिए ता क रक्त के प्रवाह को रोका जा सके ।इस तरह रक्त का प्रवाह तुरन्त रूक जाएगा परन्तु इस तरकीब से भी बात ना बने और रक्त का प्रवाह बना रहे तो तुरन्त ही डाक्टर के पास उपचार के लए मरीज़ को ले कर जाना चाहिए।

2.एनी मया से बचने के लए हमें क्या-क्या खाना चाहिए?

इससे पहले ये समझना आवश्यक है क एनी मया है क्या। जब हमारे शरीर को उ चत पौष्टिक आहार मल नहीं पाता तो हमारे शरीर में रक्त का निर्माण होना बन्द हो जाता है।शरीर में रक्त की कमी होने लगती है और रक्त में होने वाली लाल-कणों की इसी कमी को एनी मया कहते हैं।इस लए हमें चाहिए क हम सदैव पौष्टिक आहार ही लें।जैसे ळ हरी सब्जियाँ, दालें, दूध, माँस-मछली, अंडे इत्यादि प्रचुर मात्रा मेंलें।

3.पेट में कीड़े क्यों हो जाते हैं?इनसे कैसे बचा जा सकताहै?

जब हम बाहर का दू षत खाना व जल पीते हैं तो ये दोनों क्रदू षत खाना व जलज्ञ शरीर में पेट के कीड़ों के लए वाहक के रूप में कार्य करतेहैं।कुछ

कीड़ों के लार्वे तो ज़मीन की ऊपरी सतह पर होते हैं इस लए हमें चाहिए क हम नंगे पैर इधर-उधर न घूमें और शौचालय का इस्तेमाल करने केपश्चात्साI बुन से भली-भाँति हाथ धोएँ, बाहर का खाना न खाएँ व दू षत पानी न पीएँ आदि सावधानियों से स्वयं को इन पेट के कीड़ों से बीमार होने से बचा सकते है

दीर्घ प्रश्न-

1.रक्त के सफ़ेद कणों को ग्वीर सपाहीञ क्यों कहा गया है?

सफ़ेद रक्त कणों का कार्य शरीर में घर बना रहे रोगाणु से हमारी रक्षा करना होता है।ये रक्त कण उन से एक वीर सपाही की भांति लड़ते हैं और जहाँ तक संभव हो सके उनकी कार्य क्षमता को श थल कर हमें उनसे सुरक्षा प्रदान कराते हैं।इस लए इन्हें वीर सपाही की संज्ञा दी गई है।एक वीर सपाही भी देश की रक्षा करने हेतु बाहरी ताकतों से लोहा लेता है और देश व उसकी सीमा को सुरक्षा प्रदान करता है।

2.ब्लड-बैंक में रक्त दान से क्या लाभ है?

ब्लड बैंक को अस्पताल में बनाने का उद्देश्य यह है क मरीज़ को रक्त की आवश्यकता होने पर रक्त की आपूर्ति कराई जा सके।हर मनुष्य का रक्त एक सा नहीं होता ।रक्त को चार वर्गों में वभाजित कया जाता है।इसी रक्त वभाजन केआधार पर हर व्यक्ति कोअलग-अलग रक्त-समूह चढ़ाया जाता है।इसी आधार पर ब्लड बैंक का निर्माण हुआ परन्तु इस बैंक को बनाए रखने के लए रक्त कीआवश्यकता होती है जोत भी संम्भव हैजब हम सब समय-समय पर रक्तदान कराते रहें और ब्लड बैंक में रक्तका भण्डार बनाए रखें क्यों क यदि हम रक्त दान न करें तो ब्लड

बैंक में रक्त की कमी हो जाएगी और ज़रूरत पड़ने पर मरीज़ों को रक्त की कमी की वजह से परेशानियों से गुज़रना पड़ सकता है या फर उनकी जान भी जा सकती है।इस लए हमें सदैव रक्तदान करना चाहिए व सबको इसके प्रति जागृत कराते रहना चाहिए।

3.खूनको अभानुमती का पटाराञ क्यों कहा जाताहै?

क्यों क रक्त दिखने में तो द्रव की भांति होता है परन्तु इसके वपरीत उसके अंदर एक अलग दुनिया का ही प्रतिबिम्ब होता है।रक्त दो भागों में वभाजित होता है ळ एक भाग तरल रूप मेंहोता हैजिसे हम प्लाज़्मा के नाम से जानते हैं, दूसरे भाग में हर प्रकार व आकार के कण होते हैं। कुछ सफ़ेद होते हैं तो कुछ लाल, और कुछ रंग हीन होते हैं।ये सब कण प्लाज़्मा में तैरते रहते हैं।रक्त का लाल रंग लालकणों के कारण होता है क्यों क रक्त की एक बूंद में इनकी संख्या करीब चालीस से पचपन लाख होती है ।इनकी इसी अ धकता के कारण रक्त लाल प्रतीत होता है।इनका कार्य ऑक्सीजन को शरीर के एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाना होता है। लाल कण के बाद सफ़ेद कणों का कार्य रोगाणु ओं से हमारी रक्षा करना होता है और जो रंग हीन कण होते हैं जिन्हें हम बिंबाणु कहते हैं।इनका कार्य घाव को भरने में मदद करना होता है।इस प्रकार रक्त की एक बूँद अपने में ही जादुई दुनिया को समेटे हुए है जिसके लए अभानुमती का पटाराञ कहना सर्वथा उ चत है।

वशेषण की परिभाषा

- वशेषण वे शब्द होते हैं जो संज्ञा या सर्वनाम की वशेषता बताते हैं। ये शब्द वाक्य में संज्ञा के साथ लगकर संज्ञा की वशेषता बताते हैं।

वशेषण के भेद

ऋः गुणवाचक वशेषण :

जो वशेषण हमें संज्ञा या सर्वनाम के रूप, रंग आदि का बोध कराते हैं वे गुणवाचक वशेषण कहलाते हैं। जैसेः ताजमहल एक सुन्दर इमारत है।

- जयपुर में पुराना घर है।
- जापान में स्वस्थ लोग रहत हैं।
- मैं ताज़ा सब्जियां लाया हूँ

धं संख्यावाचक वशेषण :

ऐसे शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम की संख्या के बारे में बोध कराते हैं वे शब्द संख्यावाचक वशेषण कहलाते हैं। जैसेः

- वकास चार बार खाना खाता है।
- मीना चार केले खाती है।
- दुनिया में सात अजूबे हैं।
- हमारे वद्यालय में दो सौ वद्यार्थी पढ़ते हैं।

टं परिमाण वाचक वशेषण :

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा के बारे में बताते हैं वे शब्द परिमाणवाचक वशेषण कहलाते हैं। जैसेः

- मुझे एक कलो टमाटर लाकर दो।
- बाज़ार से आते वक्त आधा कलो चीनी लेते आना।
- जाओ एक मीटर कपड़ा लेकर आओ।
- मुझे थोड़ा सा खाना चाहिए।

थं सार्वना मक वशेषण :

जो सर्वनाम शब्द संज्ञा से पहले आएं एवं वशेषण की तरह उस संज्ञा शब्द की वशेषता बताएं तो वे शब्द सार्वना मक वशेषण कहलाते हैं। जैसेः

- यह लड़का कक्षा में अव्वल आया।
- वह आदमी अच्छे से काम करना जानता है।
- यह लड़की वही है जो मर गयी थी।
- कौन है जो सबसे उत्तम है ?

वषय ळ बहन की शादी के लए अवकाश प्रदान हेतु प्रार्थना पत्र।

महोदय,

स वनय निवेदन यह है क मैं आपके वद्यालय के कक्षा छवीं का वद्यार्थी हूँ। मेरे घर में मेरी बहन की शादी है। जिसकी दिनांक ऋएएक्षधएधए और ऋऋएक्षधएधए निश्चित हुई है, मैं अपने पता का इकलौता पुत्र हूँ, अतः शादी में बहुत से कार्यों में मेरा होना अति आवश्यक है। इसी कारण मुझे एप्रएक्षधएधए से ऋधएक्षधएधए तक का अवकाश चाहिए।
अतः आपसे वनम्र निवेदन है क आप मुझे अवकाश प्रदान करने की कृपा करें, इसके लए मैं आपका आभारी रहुँगा।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शष्य,
नाम ळ स्वाधीन शर्मा
कक्षा ळ छवीं
रोल नंबर ळ टथ
दिनांक ळ एछएक्षधएधए

स्वाध्यायः रक्तदान क्यों करना चाहिए लिखिए-

गतिविधि

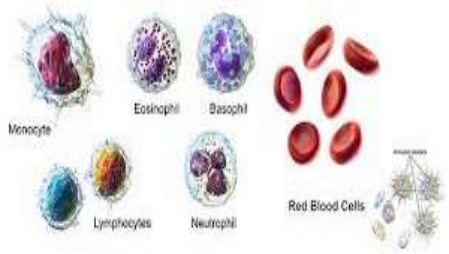

बाल महाभारत पाठ 11 से 15

शब्दार्थ

1 पदार्पण- कदम रखना

2 विप्लव - प्रलय

3 प्रलोभन- लालच

4 भग्नावशेष- टूटे-फूटे बचे अवशेष

5 लोहा मानना- हार मानना

6 वत्कल- वृक्षों की छाल से बना वस्त्र

7 फसाद- विद्रोह

8 चौसर- जुए जैसा खेल

9अज्ञातवास- छुपकर रहना

10 अजातशत्रु- जिसने शत्रुओं को जीत लिया हो

प्रश्नोत्तर

1 द्रौपदी ने किसे वर माला पहना दी?

उत्तरः अर्जुन को

2 इंद्रप्रस्थ में माता कुंती तथा पांडवों ने कितने वषर बिताए?

उत्तरः तेईस वर्ष

3 युधिष्ठिर किससे मिलना चाहते थे?

उत्तरः श्री कृष्ण से

4 जरासंध का अंत किसने किया?

उतत्रःभीमसेन ने

5 शकुनि किसका मामा था?

उत्तरः कौरवों का

6 चौसर का खेल किसकी जड़ है?

उत्तरः सारे अनर्थ की

7 खेल में कौन सी शर्त थी?

उत्तरः हारा हुआ दल बारह वर्ष वनवास करेगा तथा एक वर्ष अज्ञातवास भोगना होगा।स

पाठ 7 पापा खो गए

लेखकः विजय तेंदुलकर

शब्दार्थ

1 भंगिमा- मुद्रा, दिखने का ढंग

2 जम्हाई- उबासी लेना

3 चंगी -टैक्स

4 गश्त लगाना-घूमना

5 स्तब्ध- अवाक

6 संरक्षण-बचाव

7 घनी- सघन

8 यत्न-उपाय

9 प्रेक्षक-दर्शक

10 निर्जीव- बेजान

11 ईद-गिर्द-चारों ओर

12 दाद देना- प्रशंसा करना

अति लघू प्रश्न

ऋंनाटक में आपको सबसे बुद् वमान पात्र कौन लगा और क्यों ?

नाटक में सबसे बुद् धमान पात्र कौआ है क्यों क अन्ततः कौए ने ही लड़की के पापा को ढूंढने का उपाय बताया। उसी की योजना के कारण लैटरबक्स संदेश लख पाता है।

धं पेड़ और खंभे में दोस्ती कैसे हुई ?

पेड़ और खंभा दोनों पासपास खड़े होते हैं। एक दिन जब ज़ोरों की आंधी आती है तब खंभा पेड़ के ऊपर गरने से खुद को रोक नहीं पाता। उस वक्त पेड़ खंभे को संभाल लेता है और स्वयं ज़ख्मी हो जाता है। इसी कारण खंभे का गरूर भी खत्म हो जाता है। अन्ततः दोनों में दोस्ती हो जाती है।

टं लैटरबक्स को सभी लाल ताऊ कहकर क्यों पुकारते थे ?

लैटरबक्स ऊपर से नीचे तक पूरा सर्फ़ लाल रंग का था। वह बड़ों की तरह बातें भी करता था इसी लए सभी उसे लाल ताऊ कहकर पुकारते थे।

थंलाल ताऊ कस प्रकार बाकी पात्रों से भन्न है ?

पूरे नाटक में केवल लाल ताऊ ही एक ऐसा पात्र है जिसे पढ़ना लखना आता है। बाकी पात्रों में से कसी को भी लखना या पढ़ना नहीं आता है। उसे दोहे, भजन भी गाना आता है। लाल ताऊ के यही गुण उसे अन्य सभी पात्रों से भन्न बनाते हैं।

लघु प्रश्न

ऋंनाटक में बच्ची को बचानेवाले पात्रों में एक ही सजीव पात्र है। उसकी कौन–
कौन सी बातें आपको मज़ेदार लगीं ? ल खए।

नाटक में बच्ची को बचाने वाले पात्रों में कौआ ही एक मात्र सजीव पात्र है। उसकी मज़ेदार बातें–

क्षज्ञि ताऊ, एक जगह बैठे रहकर यह कैसे जान सकोगे ? उसके लए तो मेरी तरह रोज़ चारों दिशाओं में गश्त लगानी पड़ेगी, तब जान पाओगे यह सब।

क्षींज्ञि लड़की के नींद से जग जाने तथा ''कौन बोल रहा'' पूछने पर कहना– ''मैंनें नहीं की''।

क्षींींज्ञि ''वह दुष्ट है कौन ? पहले उसे नज़र तो आने दीजिए।''

क्षविज्ञ''सुबह जब हो जाए तो पेड़ राजा, आप अपनी घनी छाया इस पर कए रहें। वह आराम से देर तक सोई रहेगी।

धंक्या वजह थी क सभी पात्र मलकर भी लड़की को उसके घर नहीं पहुँचा पा रहे थे ?

सभी पात्र मलकर भी लड़की को उसके घर पर नहीं पहुँचा पा रहे थे। क्यों क लड़की इतनी छोटी थी और इतनी भोली थी क उसे अपने घर का पता, गली का नाम, सड़क का नाम, घर का नंबर यहाँ तक की अपने पापा का नाम तक नहीं मालूम था। ऐसी अवस्था में लड़की को उसके घर तक पहुँचाना संभव नहीं था।

टं खंभे को बरसात की रोतें अच्छी क्यों नही लगती?

क्योंकि उसे बरसात की रातों में पूरी रात भीगना पड़ता है। वह वह रात भर पानी की मार खाता है और तेज हवा चलने पर बल्ब को भी कसकर पकड़े रहना पड़ता है। उसका मन करता है कि बल्ब फेंक कहीं दूर चला जाए।

दीर्घ प्रश्न

। पेड़ जहाँ स्थित था वहाँ उसने क्या-क्या बदलाव देखे?

उः पेड़ का जन्म समुद्र के किनारे सड़क के बगल में हुआ था। वह खंभे से उम्र में काफी बड़ा था, उसके शरीर पर पत्तों का कोट उसे सर्दी, वर्षा और धूप से बचाता था। बाद में वहाँ खंभे को खड़ा किया गया। सामने दूर-दूर तक फैला समुद्र था।

यहाँ के बडें-बड़े मकान बाद मेंबने। सड़क बाद मेंबनी ,सिनेमा के पोस्टर बाद में लगे। इस प्रकार उसने अनेको बदलाव देखे।

थंमराठी से अनूदित इस नाटक का शीर्षक 'पापा खो गए' क्यों रखा गया होगा ? अगर आप के मन में कोई दूसरा शीर्षक हो तो सुझाइए और साथ में कारण भी बताइए।

लड़की को अपने पापा का नाम–पता कुछ भी मालूम नहीं था। इधर–
उधर आपस में बातें करने पर भी इसकी कोई जानकारी नहीं मलती। तब सभी पात्र एक जुट होकर लड़की के पापा को ढूंढने की योजना बनाते हैं। सम्भवतः इसी कारण से इस नाटक का शीर्षक 'पापा खो गए' रखा गया होगा।

प्रस्तुत नाटक में लड़की अपने पापा से अलग होकर खो जाती है। नाटक के अ धकांश भाग में लड़की के नामपते की जानकारी इकट्ठा करने की को शश की जाती है। अतः पाठ का नाम ' लापता बच्ची' रखना अ धक उपयुक्त लगता है।

क्रया **क्ष्रेरबज्ञ** की परिभाषा

जिस शब्द से कसी काम का करना या होना समझा जाय, उसे क्रया कहते है। जैसेः पढ़ना, खाना, पीना, जानाइत्यादि। ञ क्रयाञ काअर्थहोताहै ळ करना।प्रत्येक भाषा के वाक्य में क्रया का बहुत महत्त्व होता है। प्रत्येक वाक्य क्रया से ही पूरा होता है। क्रया कसी कार्य के करने या होने को दर्शाती है। क्रया को करने वाला ञकर्ताञ कहलाता है।

सकर्मक क्रया की परिभाषा

जिस क्रया में कर्म का होना ज़रूरी होता है वह क्रया सकर्मक क्रया कहलाती है। इन क्रयाओं का असर कर्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़ता है।सकर्मक अर्थात कर्म के साथ।

जैसेः वकास पानी पीता है। इसमें पीता है क्रिया का फल कर्ता पर ना पडके कर्म पानी पर पड़ रहा है।अतःयह सकर्मक क्रया है।

सकर्मक क्रया के उदाहरण

- हरीश फुट बॉल खेलता है।
- मनीषा खाना पकाती है।
- आतंकी गाडी चलाता है।
- पुष्प क लको बुलाता है।

अकर्मक क्रया की परिभाषा

- जिस क्रया का फल कर्ता पर ही पड़ता है वह क्रया अकर्मक क्रया कहलाती हैं ।इस क्रया में कर्म का अभाव होता है।जैसे :
- अकर्मक क्रया के उदाहरण

- राजेश दौड़ता है।
- सांप रेंगता है।
- पूजा हंसती है।

पता और पुत्र में वार्तालाप –

पता –बेटे अतुल, कैसा रहा तुम्हारा परीक्षा–परिणाम?
पुत्र –बहुत अच्छा नहीं रहा, पताजी।
पता –क्यों? बताओ तो कतने अंक आए हैं?
पुत्र –हिन्दी में सत्तर, अंग्रेजी में बासठ, कामर्स में अस्सी, अर्थशास्त्र में बहत्तर
पता –अंग्रेजी में इस बार इतने कम अंक क्यों हैं? कोई प्रश्न छूट गया था?
पुत्र –पूरा तो नहीं छूटा सबसे अंत में 'ऐस्से' लखा था, वह अधूरा रह गया।
पता –तभी तो । अलग–अलग प्रश्नों के समय निर्धारित कर लया करो, तो यह

नौबत नहीं आएगी। खैर, ग णत तो रह ही गया।

पुत्र – ग णत अच्छा नहीं हुआ था। उसमें केवल पचास अंक आए हैं।

पता – यह तो बहुत खराब बात है। ग णत से ही उच्च श्रेणी लाने में सहायता मलती है।

पुत्र – पता नहीं क्या हुआ, पताजी। एक प्रश्न तो मुझे आता ही नहीं था। शायद पाठ्यक्रम से बाहर का था।

पता – एक प्रश्न न करने से इतने कम अंक तो नहीं आने चाहिए।

पुत्र – एक और प्रश्न बहुत कठिन था। उसमें शुरू से ही ऐसी गड़बड़ी हुई क सारा प्रश्न गलत हो गया।

पता – अन्य छात्रों की क्या स्थिति है ?

पुत्र – बहुत अच्छे अंक तो कसी के भी नहीं आए पर मुझसे कई छात्र आगे हैं।

पता – सब अभ्यास की बात है बेटे। सुना नहीं *'करत करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।'* तुम तो स्वयं समझदार हो। अब वा षक परीक्षाएँ निकट है। दूरदर्शन और खेल का समय कुछ कम करके उसे पढ़ाई में लगाओ।

पुत्र – जी पताजी। मैं को शश करूँगा क अगली बार ग णत में पूरे अंक लाऊँ।

पता – मेरा आशीर्वाद तुम्हारे साथ है।

स्वाध्यायः अपने पिताजी के विषय में एक अनुच्छेद लिखिए-

गतिविधिः परिवार का चित्र लागइए

पाठ 8 शाम एक किसान

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

1 आकाश का साफा---------भेड़ों के गल्ले -सा।

प्रसंगःप्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठयपुस्तक 'वसंत भाग 2'से ली गई है जो कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना रचित है।

व्याख्याः कवि कहता है किशाम के समय पहाड़ किसान की तरह बैठा दिखाई दे रहा है। वह अपने सिर पर आकाश को सूर्य को चिलम की तरह बाँधे हुए है तथा सूर्य को चिलम की तरह पीता हुआ लग रहा है। दूर नदी बहती हुई उसके घुटनो पर चादर की तरह लग रही है।पास ही पलाश का जंगल है।इन पलाश के वृक्षो पर लगे लाल फूल जलती हुई अंगीठी के समान लगते है। दूर पूर्व दिशा में अंधेरा भेडोंके समूह के समान दुबका हुआ बैठा है।

विशेषः इसमें कवि ने किसान के रूप में सर्दी की शाम के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन किया है।

2 अचानक -बोला मोर----------अँधेरा छा गया।

प्रसंगः प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठयपुस्तक 'वसंत भाग 2'से ली गई है जो कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना रचित है।

व्याख्याःकवि कहता है कि शाम का दृश्य था। अचानक मोर बोल पड़ा । ऐसा लगता है जैसे किसी ने 'सुनते हो' की आवाज लगाई हो। चिलम ऊँधी हो गई। उसमें से धुआँ उठा पश्चिम दिशा में सूर्य डुब गया। चारों ओर अंधेरा छा गया।

विशेषः शाम के शांत वातावरण

5 चिल्म -हुक्के ऊपर रखने वाली वस्तु

6 औधी- उल्टी

7 सूरज डूबा- सूर्य अस्त हुआ

अतिलघु प्रश्न

1.कविता में किस समय का वर्णन है?

उत्तरः शाम का

2 पूरब मेंअंधकार किस प्रकार दिख रहा है?

उत्तरः भेडों के झुंड सा

3 मोर ने किसे आवाज़ दी होगी?

उत्तरः किसान को

4 धुआँ उठने का कारण क्या था?

उत्तरः चिलम उलट जाना

लघु प्रश्न

1 पहाड़ रूपी किसान की चिलम किसे कहा गया है और क्यों?

उत्तरः पहाड़ रूपी किसान की चिलम डूबते सूरज को कहा गया है। इसका कारण यह है किजिस प्रकार चिलम के ऊपरी भाग में रखी आग धीरे-धीरे बुझती जाती है, उसी प्रकार सायंकालीन सूरज अब डूबने वाला है और कुछ ही समय में चिलम की आग की तरह अपनी चमक खो देगा।

2 जंगल मेंपलाश के पौधे कैसे लग रहे हैं?

उत्तरः पहाड़ के सामने जंगल में पलाश के पौधों पर सुर्खलाल रंग के फूल दहकते अँगारे जैसे लग रहे हैं। इससे ये पौधे अँगीटी के समान लग रहे हें।

3 जंगल की अँगीठी किसे कहा गया है और क्यों

उत्तरःजंगल की अंगीठी पलाश के लाल सुर्ख फूलों को कहा गया है। ये लाल रंग के फूल दहकते अँगारे की भाँति प्रतीत हो रही हैं।

दीर्घ प्रश्न

1 आकाश की कल्पना पर्वत रूपी किसान के सिर पर बँधे साफे से क्यों की गई है?

पर्वत रूपी किसान का सिर अत्याधिक ऊँचा है। ऐसा लगता है जैसे उसकी चोटी आसमान को छू रही हो। इसी चोट के आस-पास बादलों के टुकड़े भी है, जो चोटी को छूते प्रतीत हो रहे हैं। आकाश और बादल के टुकड़े पहाड़ के सिर पर बँधे दिखने के कारण उसकी कल्पना साफे के रूप में की गई है।

2 अंधकार को किसके समान कहा गया है और क्यों?

उत्तरः शाम -एक किसान कविता में अंधकार को भेडा के झुंड के समान कहा गया है। इसका कारण यह है कि सूरज ज्यों-ज्यों छिपने वाला होता है , त्यों ळ त्यों पूरब में क्षितिज पर अंधकार गहरने लगता है। भेडों के झुंड का रंग और अंधकार एक से दिखने लगता है।

3 'शाम -एक किसान' कविता मेंप्राकृतिक चित्रण को अपने शब्दों में लिखिए।
उत्तरः इसमें पहाड़ को बैठे हुए किसान के रूप में दर्शाया गया है। इस किसान के

सिर पर आकाश का साफा बँधा है। उसके घुटनों पर नदी की चादर पड़ी है। किसान सूरज की चिंलम का कश लगा राह है। उसके पास ही पलाश के गंगल की अँगीठी दहक रही है। पूरब में अँधेरा भेडों -सा बैठा है।अचानक मोर बोलता है। सूरज डुब जाता है और अँधेरा हो जाता है।

स्वाध्यायः शाम , और किसान पर पाँच-पाँच वाक्य लिखिए-

गतिविधि प्रकृति द्रश्य का चित्र लगाइए-

उपसर्ग :

उपसर्ग दो शब्दों से मलकर बना होता है उपसर्ग।उप का अर्थ होता है समीप और सर्ग का अर्थ होता है सृष्टि करना ।संस्कृत एवं संस्कृत से उत्पन्न भाषाओँ में उस अव्यय या शब्द को उपसर्ग कहते है। अथार्त शब्दांश उसके आरम्भ में लगकर उसके अर्थ को बदल देते हैं या फर उसमें वशेषता लाते हैं उन शब्दों को उपसर्ग कहते हैं। शब्दांश होने के कारण इनका कोई स्वतंत्र रूप से कोई महत्व नहीं माना जाता है।

1.अन - अभाव ,निषेध , नहीं

अनजान , अनकहा , अनदेखा , अनमोल , अनबन , अनपढ़ , अनहोनी , अछूत , अचेत , अनचाहा , अनसुना , अलग , अनदेखीआदि।

2.अध् - आधा

अधपका ,अधमरा , अधक्च्चा , अधकचरा , अधजला , अध खला , अधगला , अधनंगा आदि।

3.उन - एक कम

उनतीस ,उनचास , उनसठ , उनहत्तर , उनतालीस , उन्नीस , उन्नासीआदि।

4.दु - बुरा ,हीन , दो , वशेष , कम

दुबला , दुर्जन , दुर्बल , दुलारा , दुधारू , दुसाध्य , दुरंगा , दुलत्ती , दुनाली , दुराहा , दुपहरी , दुगुना , दुकालआदि।

5. नि - रहित , अभाव , वशेष , कमी

निडर ,निक्कमा , निगोड़ा , निहत्था , निहालआदि।

6. अ– अभाव ,निषेध

अछुता ,अथाह , अटल , अचेतआदि।

7. कु - बुरा , हिन्

कुचाल , कुचैला , कुचक्र , कपूत , कुढंग , कुसंगति , कुकर्म , कुरूप , कुपुत्र , कुमार्ग , कुरीति , कुख्यात , कुमतिआदि।

8. औ - हीन ,अब , निषेध

औगुन ,औघर , औसर ,औसान , औघट , औतार , औगढ़ , औढरआदि।

9. भर- पूरा , ठीक

भरपेट ,भरपूर , भरसक , भरमार , भरकम , भरपाई , भरदिनआदि।

10.सु - सुंदर , अच्छा

सुडौल ,सुजान , सुघड़ , सुफल , सुनामी , सुकाल , सपूतआदि।

11. पर - दूसरीपीढ़ी , दूसरा , बादका

परलोक , परोपकार , परसर्ग , परहित , परदादा , परपोता , परनाना , परदेशी , परजीवी , परकोटा , परलोक , परकाज आदि।

12. बिन - बिना , निषेध

बिनब्याहा , बिनबादल , बिनपाए , बिनजाने , बिनखाये , बिनचाहा , बिनखाया बिनबोया , बिनामांगा , बिनजाया , बिनदेखा , बिनमंगेआदि

निबंध

वज्ञानः वरदान या अ भशाप

आज का युग वज्ञान का युग है । हमारे जीवन का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है । प्राचीन काल में असंभव समझे जाने वाले तथ्यों को वज्ञान ने संभव कर दिखाया है । छोटी–सी सुई से लेकर आकाश की दूरी नापते हवाई जहाज तक सभी वज्ञान की देन हैं ।

वज्ञान ने एक ओर मनुष्य को जहाँ अपार सु वधाएँ प्रदान की हैं वहीं दूसरी ओर दुर्भाग्यपूर्ण यह है क ना भकीय यंत्रों आदि के वध्वंशकारी आ वष्कारों ने संपूर्ण मानवजाति को वनाश के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है । अतः एक ओर तो यह मनुष्य के लए वरदान है वहीं दूसरी ओर यह समस्त मानव सभ्यता के लए अ भशाप भी है ।

वास्त वक रूप में यदि हम वज्ञान से होने वाले लाभ और हानियों का अवलोकन करें तो हम देखते हैं क वज्ञान का सदुपयोग व दुरुपयोग मनुष्य के हाथ में है । यह मनुष्य पर निर्भर करता है क वह इसे कस रूप में लेता है । उदाहरण के तौर पर यदि ना भकीय ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग कया जाए तो यह मनुष्य को ऊर्जा प्रदान करता है जिसे वद्युत उत्पादन जैसे उपभोगों में लया जा सकता है ।

परंतु दूसरी ओर यदि इसका गलत उपयोग हो तो यह अत्यंत वनाशकारी हो सकता है । द् वतीय वश्व युद्ध के समय जापान के हिरो शमा एवं नागासाकी शहरों में परमाणु बम द्वारा हुई वनाश-लीला इसका ज्वलंत उदाहरण है ।

वज्ञान के वरदान असी मत हैं । वद्युत वज्ञान का ही अद्भुत वरदान है जिससे मनुष्य ने अंधकार पर वजय प्राप्त की है । वद्युत का उपयोग प्रकाश के अतिरिक्त मशीनों, कल-कारखानों, सनेमाघरों आदि को चलाने में भी होता है ।

इसी प्रकार च कत्सा के क्षेत्र में वज्ञान ने अभूतपूर्व सफलताएँ अर्जित की हैं । इसने असाध्य समझे जाने वाले रोगों का निदान ढूँढकर उसे साध्य कर दिखाया है । यात्रा के क्षेत्र में भी वज्ञान की देन कम नहीं

है । इसके द्वारा वर्षों में तय की जाने वाली यात्राओं को मनुष्य कुछ ही दिनों या घंटों में तय कर सकता है ।

हवाई जहाज के आ वष्कार ने तो मनुष्य को पंख प्रदान कर दिए हैं । वज्ञान के माध्यम से मनुष्य ने चंद्रमा पर वजय प्राप्त कर ली है और अब वह मंगल ग्रह पर वजय प्राप्त करने की तैयारी कर रहा है । वज्ञान की देन असी मत है

महाभारत पाठ 16 से 20

शब्दाथ

1 अनुसरण- पीछे चलना

2 कुरेदना- खुरचना

3 घाटियाँ -पहाडों के बीच की समतल और हरी-भरी भूमि

4 आवभगत -सेवा सत्कार

5 अनुग्रहीत करना- कृपा करनासी

6.धिक्करना- कोसना

7.तरकश - तीर रखने का पात्र

8.बाट जोहना- प्रतीक्षा करना

9.मरणासन्न -जिसकी भी क्षण मृत्यु हो सकती हो

10. दिव्यास्त्र- अलौकिक शक्तियों से युक्त

प्रश्नोत्तर

1 धृतराष्ट्र क्यों चिंतित थे

उत्तरः पांडवों के वन जाने के कारण

2 द्रौपदी किससे मिली?

उत्तरः श्री कृष्ण से

3 द्रौपदी ने भीम से क्या मांगा?

उत्तरः फूल

4 भीम की मुलाकात किससे हुई?

उत्तरः हनुमान से

5 कौन दुर्योधन की चापलूसी किया करते थे?

उत्तरः कर्ण और शकुनि

6 कौन दुर्योधन के राजभवन में पधारे?

उत्तरः महर्षि दुर्वासाा

7 पांडवों को कितने वर्ष का वनवास हुआ था?

उत्तरः बारह वर्ष का

8 सबसे पहले किसने तालाब का पानी पिया?

उत्तरः नकुल ने

9 युधिष्ठिर कहाँ पहुचे?

उत्तरः विषैले तालाब के पास जिसका पानी पीकर उसके चोरों भाई मृत पडे थे।

10 यक्ष का पहला प्रशन क्या था?
उत्तरः मनुष्य का साथ कौन देता है?

पाठ 9 चिड़िया की बच्ची

लेखकः जैनेंद्र कुमार

1 संगमरमर- एक चिकना चमकीला पत्थर

2 व्यसन -बुरी आदत

3 हौज-पानी का बड़ा सा बर्तन

4 विनोद- हँसी -खुशी की बाते

5 सटक -नली

6 रागनी- एक प्रकार का गीत

7 झालर - सुंदरता बढ़ने का साधन

8 मढ़कर -जड़कर

9 ढाढ़स - तसल्ली

10 चौकन्ना- सजग, चौकन्ना

11 सुबकना- हिचकियोंमेंरोना

12 जतन- उपाय

13 चित्त -मन

14 देह -शरीर

15 वरदान- इच्छा पूरी करने वाला

अतिलघु प्रश्न

1 माधवदास कौन थे?

उत्तरः माधवदास धनी व्यक्ति थे, जिनके पास खूब पैसा था।ि जिसके सामने एक संगमरमर की कोठी थी जिसके सामने एक सुंदर बगीचा था।

2.चिड़िया कहाँ बैठी वह किस समय आई?

उत्तरः चिड़िया बगीचे में लगे गुलाब की डाली पर शाम के समय आई।

3 चिड़िया ने बगीचे मे आने का क्या कारण बताया?

उत्तरः चिड़िया ने कहा कि मैं पल भर साँस लेने को आई थी ,अब मैं हा रही हूँ।

4 चिड़िया को हर हाल में अपनी माँ के पास क्यों जाना चाहती थी?

उत्तरः चिड़िया को अपनी स्वतंत्रता के साथ अपनी माँ बहुत प्रिय थी।उसे माधवदास दवारा दी गई सुविधा से अधिक अपना परिवार और घोंसला प्यारा है।

लघू प्रश्न

।माधवदास के बगीचे में आ बैठी चिड़िया कैसी लगी? उन्होंने चिड़िया से क्या कहा?

उत्तरः सायंकाल माधवदास के बगीचे मे आ बैठी चिड़िया बहुत सुंदर थी। उसकी लाल गर्दन गुलाबी होते -होते किनारों से जरा सी नीली पड़ गई थी उसका छोटा सा सिर बहुत प्यारा था।

2 माधवदास चाहता था कि चिड़िया उसके महल में रहे पर चिड़िया ने उन्हें क्या जवाब दिया?

उत्तरः चिड़िया ने कहा कि वह अपनी माँ के पास जा रही है। सूरज की धूप खाने और हवा से खेलने और फूलो से बाते करने वह जरा घर से उड़ आई थी। अब शाम हो गई है और वह अपनी माँ के पास जा रही है।

3 माधवदास ने चिड़िया से क्या कहा?

अपना सब कुछ भूल गए। उन्होंने उससे कहा कि यह बगीचा तुम्हारा है तम यहाँ बिना डर के आया करो।

दीर्घ उत्तर

1 माधवदास अपना खाली समय किस तरह बिताया करते थे? माधवदास की शामें कैसी बीतती थी?संगमरमर की

उत्तरः माधवदस धनी आदमी थे, जिनके पास फुरसत का पर्याप्त समय था। शाम के समय वे अपनी नई संगमरमर की कोठी के सामने बने चबूतरे पर तख्त डलवाकर मसनद के सहारे गलीचे पर बैठ जाया करते थे।यहाँ से वे अपने सुंदर बगीचे को देखा करते थे। फव्वारों को देखा करते बताते। अपने मित्रा के साथ गप्पे मारा करते थे।

2.चिड़िया को अपने पास रोकने के लिए माधचदास ने छल-बल के कौन-कोन से उपाय अपनाए?

उत्तरः चिड़िया को अपने पास रोकन के लिए माधवदास ने छल-बल के अनेक उपाय किए। उन्होंने चिडिया को सबसे अपने बगीचे और महल की सुंदरता से

ललचना चाहा। फिर उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा का रोब डालते हुए।धन दौलत की प्रचुरता बताते हुए उसे मालामाल करने का लालच दिया।इसके बावजूद काम न बनता देख उसने चिडिया की प्रशंसा की। अंत मे उसने छल से चिदिया को पकड़वाना चाहा।

व्याकरण

अनेकार्थी शब्द

हिन्दी भाषा में बहुत से ऐसे शब्द है जिसके एक से अ धक अर्थ होते है, ऐसे सभी शब्दों को अनेकार्थी शब्द कहतेहैं।अनेकार्थी का अर्थ है -एक से अ धक अर्थ देने वाला ।दूसरे शब्दों में अलग-अलगअर्थ में अनेकार्थी शब्द का प्रयोग करने पर दूसरा अर्थ आ जाता है।जैसे- कनक शब्द सोना, धतूरा, गेंहू के अर्थ में प्रयोग होता है।

अंबर - बादल, वस्त्र, कपास, अभ्रक, आकाश।

अंक -अध्याय, चन्ह, गोद, संस्करण, आ लंगन।

अन्तर- अन्तःकरण, अवसर, भन्नता, छिद्र, आकाश, अव ध।

अंग - अंश, देह, पार्श्व, सहायक, अवयव।

अंबक- पता, आँख, ताँबा।

अंब - माता, दुर्गा, आम का वृक्ष।

अर्य - अ भप्राय, धन, ऐश्वर्य, प्रयोजन।

अधर- तुच्छ, ओठ, अन्तरिक्ष।

अति थ- अपरि चत, मेहमान, अग्नि, संन्यासी

कनक - गेहूँ, धतूरा, सोना, नागकेसर, पलास, खजूर।

क ल - शव, युद्ध, एक, दुःख, वीर, ववाद, युग, पाप।

कक्ष - श्रेणी, कमरा, सूखीघास, कांख, कमरबन्द, जंगल, काँस, कंछोटा।

क शपु- कपड़ा, त कया, अन्न, प्रहलादके पता, आसन, बिछौना, भात।

खर -तीक्ष्ण, तिनका, गधा।

खचर- पक्षी, ग्रह, देवता।

गण - मनुष्य, तीनवर्णोंकासमूह ¼छन्दशास्त्र½, भूत–प्रेत।

गति ळ हाल, चाल, मोक्ष, दशा।

ग्रहण ळ चन्द्रयासूर्यग्रहण, लेना, पकड़ा।

गुण ळ वशेषता, स्वभाव, रस्सी, सततथातमोगुण, कौशल, लक्षण, हुनर, रज, प्रभाव।

गुरु ळ अध्यापक, छन्द में दीर्घ वर्ण, बृहस्पति, भारी, श्रेष्ठ, बड़ा।

निबंध

कबूतर

कबूतर एक बहुत ही सुंदर पक्षी है और यह पूरे वश्व में पाया जाता है। यह लोगों के द्वारा प्राचीन काल से ही पालतू पक्षी के रूप में प्रयोग कया जाता है। कबूतर व भन्न प्रकार के और तरह तरह के रंग में पाए जाते हैं। यह सफेद स्लेटी और भूरे रंग में पाए जाते हैं। भारत में केवल स्फेद और स्लेटी कबुतर पाए जाते हैं। सफेद कबूतर घरों में पाले जाते हैं जब क स्लेटी और भूरे कबूतर जंगलों में पाए जाते हैं। कबूतर का पूरा शरीर पंखो से ढका होता है और यह ब्ना रूके काफी देर तक उड़ सकते हैं। कबूतर के पास एक चोंच होती है और इसके पंजे ज्यादा नुकीले नहीं होते हैं। इनके पंजो की बनावट इस तरह होती है क यह आसानी से पेड़ की शाखाओं को मजबूती से पकड़ सकते हैं।

कबूतर बहुत ही शांत स्वभाव के होते हैं और इन्हें प्राचीन काल में जब संचार का कोई माध्यम नहीं था तो संदेश देने के लए भेजा जाता था और उन कबुतरों को जंगी कबुतर का नाम दिया जाता था। इन्हें शांति का प्रतीक माना जाता है। कबूतर बहुत ही बुद्ध धमान पक्षी होता है। यह अपना रहने का स्थान

ऊँची ईमारतों और ऐताहि सक ईमारतों के ऊपर बनाते हैं। कबुतर की जंगल में आयु **घ** वर्ष होती है। ज्यादातर कबूतर शाकाहारी होते हैं। वह अनाज, बाजरे के दाने और फल आदि खाते हैं। इनकी याद्दाश्त बहुत अच्छी होती है। यह मलों का सफर तय करके वा पस उसी राह से दोबारा अपने स्थान पर जा सकते हैं। कबूतर अपनी सुंदरता के कारण राजा महाराजाओं के महलों में भी रहते हैं। कबूतर को अच्छे भाग्य का प्रतीक भी माना जाता है। कबूतर **त्रए-घए** कलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ते हैं।

कबूतर अपने आप को शीशे में देखकर पहचान लेते हैं और प्रतिबिंब को देखकर धोखा नहीं खाते हैं। कबुतर कसी भी व्यक्ति को नहीं भूलते हैं और दोबारा दिखने पर उन्हें पहचान लेते हैं। कबुतरों को समूह में रहना पसंद होता है और साथ ही इन्हें इंसानों के साथ रहना भी अच्छा लगता है। कबूतर पूरे जीवन एक ही जोड़ा बनाकर रखते हैं। यह एक समय में **ध** अंडे देते हैं। **त्रक्ष-धए** दिन में चूजे अंडे से बाहर आ जाते हैं और अंडो को नर और मादा दोनों सेकते हैं। कबुतर स्वभाव से मलनसार होते हैं। कबुतर की देखने और सुनने की क्षमता अद्भुत होती है। वह भूकंप और तुफान की आवाजें आसानी से सुन लेते हैं।

स्वाध्याय :विविध पक्षियों के नाम लिखकर चिड़िया के बारे में लिखिए।

गतिविधि : पक्षियों के आवास (घर) बनाकर लाइए

पाठ 10 अपूर्व अनुभव

लेखक :तेत्सुको कुरियानगी

1. सभागार- बड़ा सा कमरा

2 शिविर- कैंप

3 द्विशाखा- पेड़ के तने से फूटी टहनी वाली जगह

4 शिष्टता- विनम्रता

5 हताशा- निराशा

6 तिपाई- तीन पैरों वाला स्टूल

7 रमा होगा- लगा होगा

8 समा पाना- अंदर आ जाना

9झलक- दृश्य

10 लुभावनी-लुभाने वाली

अतिलघू प्रश्नोत्तर

1 यासुकी चान कौन था?-

उत्तरः यासुकी चान तोमोए (जापान) में रहने वाला एक बालक था, जो पोलियों से पीड़ित था।

2 यासुकी चान को किसने निमंत्रण दिया?

उत्तरः तोतो चान ने निमंत्रण दिया था जो उससे एक साल छोटी थी।

3 तोमोए में पेड़ से जुड़ी कोन सी परंपरा है?

उत्तरः यहाँ हर एक बच्चा अपने लिए पेड़ को चुनता था और उसी पेड़ पर चढ़ता है।

4 यासुकी -चान, तोतो -चान से कहाँ मिला?

उत्तरः स्कूल के पास वाले मैदान में क्यारियों के पास मिला।

लघु प्रश्न -

1 तोमोए में दूसरे पेड़ पर चढ़ने से पहले अनुमति क्यों ली जाती है?

उत्तरः तोमोए में प्रत्येक बालक एक पेड़ को अपनाता हैऔर उसे निजी संपति मानता है।वहाँ कोई बालक जब किसी दूसरे के पेड़ पे चढ़ता है, तो पहले उससे शिष्टता पूर्वक पूछता है, "माफ कीजिए, क्या मैं अंदर आ जाऊँ?

2 तोतो-चान ने अपनी किस योजना से अपने माता-पिता को अनजान रखा और क्यो?

उत्तरः तोतो-चान अपने पोलियोग्रस्त मित्र यासुकी -चान को अपने पेड़ पर चढाना चाहती थी। यासुकी चान इस योजना से उसने अपने माता-पिता को अनजान रखा, क्योंकि तोतो-चान जो ठीक से चल नहीं पाता था उसे पेड़ पर चढ़ाना खतरे से खाली नही था।

'व्यायाम'पर एक अनुच्छेद लिखिए-

मानव शरीर एक मशीन की तरह है । जिस तरह एक मशीन को काम में न लाने पर वह ठप पड़ जाती है, उसी तरह यदि शमा जा भी उ चत संचालन न कया जाए तो उसमें कई तरह के वकार आने लगते हैं । व्यायाम शरीर के संचालन का एक अच्छा तरीका है । यह शरीर को उ चत दशा में रखने में मदद करता है । व्यायाम के लए अनेक प्रकार की व धयाँ काम में लाई जाती है । कुछ लोग दौड़ लगाते हैं तो कुछ दंड-बैठक करते हैं । बच्चे खेल-कूद कर अपना व्यायाम करते हैं । बुजुर्ग सुबह-शाम तेज चाल से टहलकर अपना व्यायाम करते है । साई कल चलाना, तैरना, बाग-बगीचों में जाकर उछल-कूद करना आदि

व्यायाम की अन्य व धयाँ हैं । नवयुवकों में व्यायामशालाओं में जाकर व्यायाम करने की प्रवृति पाई जाती है । व्यायाम चाहे कसी भी प्रकार का हो, इससे हमें बहुत लाभ होता है । शरीर में ताजगी आती है तथा यह सुगठित बन जाता है । प्रत्येक व्यक्ति को कुछ न कुछ व्यायाम अवश्य करना चाहिए।

स्वाध्यायः विकलांग व्यक्तियों के बारे में सात वाक्य लिखिए-

गतिविधिः विकलांग व्यक्तियों का चित्र चिपकाइए तथा हम उनकी की प्रकार मदद कर सकते है ? लिखिए-